



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 552] नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 18, 1992/श्रावण 27, 1914

No. 552] NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 18, 1992/SHRAVANA 27, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजपत्र विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1992

आय-कर

का. आ. 625(अ):— केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर

नियम, 1962 का ग्रीर संगोवन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (सोलहवां संशोधन) नियम, 1992 है।

(2) ये 18 अगस्त, 1992 से प्रवृत्त होंगे।

2. आय-कर नियम, 1962 में,—

(क) नियम 2ब के पञ्चाङ्ग, निम्नलिखित नियम अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“नियम 2बका धारा 10(10ग) के प्रयोजनों के लिए भाग दशक भिड़ोंत

किसी पब्लिक सेक्टर कंपनी या किसी अन्य कंपनी के किसी कर्मचारी द्वारा अपनी स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के समय प्राप्त रकम धारा 10 के खण्ड (10ग) के अधीन केवल तब छूट प्राप्त होगी जब पूर्वोक्त कंपनी द्वारा बनाई गई स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति की स्कीम निम्नलिखित अपेक्षाओं के अनुसार है, अर्थात् —

- (i) यह कंपनो के ऐसे कर्मचारी हो लागू होती है जिसने सेवा के 10 वर्ष पूरे कर लिए हो या 40 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली हो ;
- (ii) यह कंपनो के निर्देशको को छोडकर सभी कर्मचारियों को (चाहे वे किसी भी नाम से जाने जाते हो) जिनके अंतर्गत कंपनी के कर्मकार और आयपालक भी है, लागू होती है ,
- (iii) स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति की स्कीम इसलिए तैयार की गई है कि उससे कंपनी के कर्मचारियों की विद्यमान संख्या में कून मिलाकर कमी होती है ,
- (iv) स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति से हुई रिकित को भरा नहीं जाएगा और न ही सेवा निवृत्ति होने वाले कर्मचारी को एक ही प्रबंध की किसी अन्य कंपनी या समुत्थान में नियोजित किया जाएगा
- (v) कर्मचारी की स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति मूद्दे प्राप्त रकम उतनी रकम से अधिक नहीं है जो सेवा के प्रत्येक संपूरित बर के लिए डेढ़ मास के वेतन के या सेवा निवृत्ति के समय मासिक उपलब्धियों के जैसी कि वे अधिवर्षिता पर उसकी सेवा निवृत्ति की तारीख से पूर्व शेष सेवा के बाकी मासों का मयथा द्वारा गुणा करके आए बराबर है। किसी भी दशा में, ऐसी रकम प्रत्येक कर्मचारी की दशा में पांच लाख रुपए से अधिक नहीं होगी।

(vi) कर्मचारी ने पहले किसी अन्य स्वच्छता सेवा निवृत्ति की स्कीम का फायदा नहीं लिया है।"

[स. 9070/का. स. 133/191/92 टी पी एल]

वाई के. बल्ल, प्रवर सचिव (टी. पी. एल.)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th August, 1992

INCOME-TAX

S.O. 625(E).—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Sixteenth Amendment) Rules, 1992.

(2) They shall come into force with effect from the 18th day of August, 1992

2. In the Income-tax Rules, 1962,—

(a) after rule 2B, the following rule shall be inserted namely :—

"Rule 2BA. Guidelines for the purposes of section 10(10C).

The amount received by an employee of a public sector company or of any other company at the time of his voluntary retirement shall be exempt under clause (10C) of section 10 only if the scheme of voluntary retirement framed by the aforesaid company is in accordance with the following requirements namely :—

- (i) It applies to an employee of the company who has completed 10 years of service or completed 40 year of age ;
- (ii) it applies to all employees (by whatever name called) including workers and executives of the company excepting Directors of the company ;

- (iii) the scheme of voluntary retirement has been drawn to result in overall reduction in the existing strength of the employees of the company ;
- (iv) the vacancy caused by voluntary retirement is not to be filled up, nor the retiring employee is to be employed in another company or concern belonging to the same management .
- (v) the amount receivable on account of voluntary retirement of the employee, does not exceed the amount equivalent to one and one-half months' salary for each completed year of service or monthly emoluments at the time of retirement multiplied by the balance months of service left before the date of his retirement on superannuation. In any case, the amount should not exceed rupees five lakhs in case of each employee.
- (vi) the employee has not availed in the past, the benefit of any other voluntary retirement scheme."

[No. 9070|F. No. 133|191/92-TPL.]

Y. K. BATRA, Under Secy.(TPL)